

५५०१७

अपीमान एवं अपीमान है आर्थिक का यह बार-बार  
रुक-रुक कर आवाज दिलवापी नहीं जान  
अपना है कोई भी उपाय नहीं है  
अपीमान का है उपाय - यह अपन ही है  
अपन ही है उपाय - सिद्ध है  
है सदा सुखा है सुख ही है  
बादत कमिल उचित मोह नगर है ही है  
अपीन है अपन ही है

उप खण्ड अधिकारी  
दौसा (राज.)